"सेब से मिली सीख" - आइज़ैक न्यूटन

बच्चों को हमेशा
जिज्ञासु रहना चाहिए
और सवाल पूछते
रहना चाहिए।

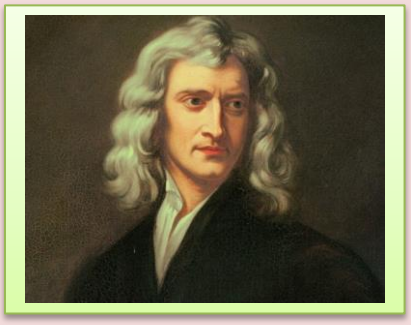

जिज्ञासा ही ज्ञान की
पहली सीढ़ी है।

न्यूटन और उनकी जिज्ञासा की कहानी

बहुत समय पहले इंग्लैंड के एक छोटे से गाँव में एक बच्चा पैदा हुआ। उसका नाम था आइज़ैक न्यूटन। न्यूटन बचपन से ही बहुत शांत और जिज्ञासु थे। उन्हें खिलौनों से खेलने के बजाय चीज़ों को खोलना और समझना पसंद था।

बचपन का किस्सा

जब वे छोटे थे, तो घर की छत पर कबूतर बैठते थे। न्यूटन घंटों बैठकर देखते रहते कि कबूतर कैसे उड़ते हैं। वे पत्तों, लकड़ी और कागज़ से अपने छोटे-छोटे खिलौने और मशीनें बनाते रहते।
एक बार उन्होंने लकड़ी से एक छोटी पवनचक्की (Windmill) बना ली, जो हवा से घूमती थी। गाँव के लोग हैरान रह गए कि इतना छोटा बच्चा इतनी समझदारी दिखा रहा है।

सेब का किस्सा

समय बीता और न्यूटन बड़े हुए।
एक दिन वे बगीचे में एक पेड़ के नीचे बैठे थे। तभी एक सेब पेड़ से गिरा और नीचे आ गिरा।
न्यूटन ने सोचा –
"यह सेब ऊपर या बगल में क्यों नहीं गया? हमेशा नीचे ही क्यों गिरा?"

यह सवाल उनके मन में गहराई से बैठ गया। उन्होंने कई साल तक इस पर सोचा और प्रयोग किए।
आखिरकार उन्होंने खोज निकाली कि –
धरती पर एक अदृश्य शक्ति है, जो हर चीज़ को अपनी ओर खींचती है।
इसी शक्ति को आज हम कहते हैं गुरुत्वाकर्षण (Gravity)।

न्यूटन का योगदान

न्यूटन की खोज ने पूरी दुनिया को बदल दिया। उन्होंने हमें यह समझाया कि –
चाँद क्यों धरती के चारों ओर घूमता है। हम ज़मीन पर क्यों टिके रहते हैं। ग्रह और तारे कैसे चलते हैं।

"Your small contribution can help shape a brighter future for many students. If you find it valuable, consider donating at UPI ID - [redacted] *Every contribution counts. Thank you!"*

- *To Get A Personalized Set Of Worksheet For Child, Please Send 'Hi' On WhatsApp – 7248217332*